दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक



7

3 सीएम योगी का विवविद्यालयों को संदेश

5 भाजपा चाहती तो जेपीएनआईसी का काम पूरा हो सकता था: अखिलेश यादव

8 बुमराह का दबदबा हुआ खत्म

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 04, अंक: 10 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 31 अगस्त, 2026





नेपाल में फ्लैश फ्लड का खौफनाक मंजर

नेपाल से बहकर भारत की नदियों में आ रहीं लाशें

काठमंडू एजेंसी। नेपाल की बाढ़ ने कई जिंदगियां उजाड़ दीं। किसी ने आंखों के सामने अपना घर और परिवार खो दिया, तो किसी ने दोस्तों को बहते देखा। कई लोग मौत से बच तो गए, लेकिन अपनों की तलाश आज भी जारी है। आईए जानते हैं कि बचे लोगों की आंखों में खौफ, दर्द और उस दिन की तबाही के बारे में क्या बताया है। नेपाल में बुधवार को आई तबाही के बाद अब बचे हुए लोग उस खौफनाक मंजर की आपबीती बता रहे हैं। किसी ने अपनी आंखों के सामने पानी और मलबे को घरों की ओर बढ़ते देखा, तो किसी ने भागकर अपनी जान बचाई। हादसे के बाद लोगों के चेहरों पर डर और तबाही की तस्वीर साफ नजर आ रही है।



बाढ़ से बचे लोगों ने बेहद डरावने मंजर बयां किए हैं। कोई ऊंची जगहों की ओर बेताब होकर भागना। अपने आस–पास घरों का गिरना और पानी, कीचड़ और मलबे के तेज बहाव में लोगों का बह जाना देखा। कुछ लोगों की जान ऊंची जगहों की ओर तेजी से भागने की वजह से बची। दूसरों ने बेबस होकर अपने दोस्तों और अपनों को बहते हुए देखा, जबकि जो लोग बाद में प्रभावित इलाकों में पहुंचे, उन्होंने बाजारों को कीचड़ में दबा हुआ और परिवारों को अपने लापता रिश्तेदारों की तलाश करते हुए पाया।

त्रासदी से बचे दीपक ने क्या बताया

इस त्रासदी से बचे दीपक तमांग ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने लगा कि जमीन हिल रही है। फिर उन्होंने देखा कि पानी कीचड़ और पत्थरों की एक दीवार तिमुरे बाजार में भोटेकोशी नदी के किनारे बने घरों की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्हें एहसास हुआ कि ऊपर जाने के अलावा कोई चारा नहीं है।











69000 शिक्षक भर्ती– आरक्षण को लेकर आंदोलन फिर शुरू

शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठे अभ्यर्थी

,लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले के खिलाफ पिछले कई वर्षों से आंदोलन करने वाले छात्रों का संघर्ष आज पुनः शुरू हो गया। एक बार फिर से लखनऊ की सड़कों पर आरक्षण दो न्याय दो की मांगें गूंज उठी हैं अभ्यर्थियों का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय में 69000 शिक्षक भर्ती मामले की सुनवाई 8 सितंबर को तय है। लेकिन सरकार सुप्रीम कोर्ट में उन अभ्यर्थियों का पक्ष नहीं रख रही है, जिनकी नियुक्ति के लिए चयन सूची आज से 4 साल पहले ही जारी हो चुकी है। उसके आधार पर 6800 ओबीसी व दलित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलना था। अयोध्या से प्रदर्शन में शामिल अर्चना शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर हमने अपनी बात रखी थी। इसके बाद हमारी नियुक्ति के लिए 5 जनवरी 2022 को 6800 अभ्यर्थियों की लिस्ट तो जारी कर दी गई, लेकिन नियुक्ति आज तक नहीं मिली।









सम्पादकीय

सबक सिखाने वाली आपदा

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ ने मचाई तबाही
ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर पिघलना मुख्य कारण
भारत, चीन, नेपाल, भूटान को मिलकर करनी होगी निगरानी

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही कितनी व्यापक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि लापता होने एवं मरने वालों की संख्या के साथ आधारभूत ढांचे की क्षति का अनुमान लगाना कठिन हो रहा है। इस आपदा में भारत और नेपाल के साथ उन देशों के नागरिकों ने भी जान गंवाई है, जो पर्यटन और तीर्थाटन के लिए नेपाल गए थे और वहां से कैलास मानसरोवर की यात्रा के लिए चीन जाने वाले थे। नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर ग्लेशियर टूटने से जो बाढ़ आई, उसके कारणों का अध्ययन जारी है, लेकिन यह साफ है कि इसके पीछे कहीं न कहीं धरती का बढ़ता तापमान भी जिम्मेदार है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं और वे हिमालयी क्षेत्र में बार–बार तबाही ला रहे हैं। ऐसी प्रत्येक आपदा यह बताती है कि प्रकृति का संरक्षण आवश्यक है। वैसे तो जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए लगातार विश्वस्तरीय सम्मेलन हो रहे हैं और उनमें ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के उपायों पर सहमति भी बन रही है, लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा है। इसका एक बड़ा कारण विकसित देशों का रवैया है। वे अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि विकसित देश भी जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं और इसका प्रमाण है पिछले दिनों यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी, लेकिन इसके बाद भी ग्लोबल वार्मिंग का सामना करने में गंभीरता का परिचय नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि क्षेत्र विशेष के देश आपस में मिलकर इस समस्या का सामना करने के लिए एकजुट हों।चूंकि हिमालय क्षेत्र ग्लोबल वार्मिंग से कहीं अधिक प्रभावित हो रहा है और यह भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए भारत, चीन, नेपाल और भूटान को एक साथ आकर ऐसे प्रबंध करने चाहिए, जिससे ग्लेशियरों की निगरानी की जा सके और उनके पिघलने–टूटने की स्थिति को लेकर संबंधित देशों को समय पर सूचना दी जा सके। ग्लेशियरों की उपग्रह के जरिये निगरानी आसानी से की जा सकती है। हिमालयी क्षेत्र के देशों को यह काम मिलकर करना चाहिए। दुर्भाग्य से इस मामले में सबसे बड़ी बाधा चीन का रवैया है। वह कई बार पड़ोसी देशों को हिमस्खलन अथवा हिमालयी नदियों में बाढ़ के बारे में समय रहते आवश्यक सूचनाएं भी नहीं देता। इसके अलावा वह इस नाजुक क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने वाले निर्माण कार्य भी कर रहा है। यह निर्माण जोखिम को बढ़ाने वाला है। भारत को इस दिशा में सक्रिय होना चाहिए कि कैसे चीन, नेपाल, भूटान के सहयोग से एक ऐसे साझा तंत्र का निर्माण हो, जो हिमालय की चोटियों में होने वाले बदलाव की निगरानी में सहायक साबित हो सके।

भारत को इस दिशा में सक्रिय होना चाहिए कि कैसे चीन, नेपाल, भूटान के सहयोग से एक ऐसे साझा तंत्र का निर्माण हो, जो हिमालय की चोटियों में होने वाले बदलाव की निगरानी में सहायक साबित हो सके।

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

अनियोजित विकास, वनों की कटाई नेपाल बाढ़–भूस्खलन के प्रमुख कारण
जलवायु परिवर्तन, अतिवृष्टि, ग्लेशियर पिघलना बढ़ा रहे हिमालयी आपदाएं
पूर्व–चेतावनी प्रणाली, हरित विकास आपदा जोखिम कम करने हेतु महत्वपूर्ण

नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल प्रकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया। इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन–आफ–द–रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई।

भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है। हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण मानसून का चक्र पूरी तरह से अनिश्चित हो चुका है। अब बारिश का फैलाव पूरे मौसम में समान रूप से होने के बजाय कुछ ही दिनों या घंटों की अतिवृष्टि में सिमट गया है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो जमीन उसे सोखने में असमर्थ हो जाती है और वह सतह पर प्रचंड बाढ़ का रूप ले लेता है।

इसके साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों के तेजी से लगातार पिघलने के कारण नई ग्लेशियल झीलों का निर्माण हो रहा है और पुरानी झीलों का आकार खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। भूकंप या अत्यधिक जल–दबाव के कारण लाखों क्यूसेक पानी और मलबा कुछ ही मिनटों में नीचे घाटी की ओर बहता है, जिसकी विनाशकारी क्षमता सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक होती है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल–टाइम पूर्व–चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है।

यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान–माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है। अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो–कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए।

जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता। ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व–चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति–निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

नीतिगत निर्णयों में बढ़े युवाओं की भागीदारी

आज का युवा कल का प्रौढ़ और भविष्य का वृद्ध है। उसे अपने वर्तमान और भविष्य हेतु नीतिगत निर्णयन में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। युवा समाज का विशाल और शक्तिशाली भाग है। शक्ति सदैव अपना मार्ग स्वयं ढूंढ़ लेती है। यदि शक्ति को समुचित मार्ग न मिला, तो वह विध्वंसकारी हो सकती है, भले ही समाज या देश को उसकी भारी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। कुछ समय से देश में छात्रों और युवाओं के प्रदर्शनों की बाढ़ आई हुई है। दिल्ली में जंतर–मंतर पर हुए उच्छृंखल, अश्लील और हिंसक प्रदर्शन भले ही प्रायोजित थे, लेकिन उसमें अनेक मासूम छात्रों और युवाओं ने भाग लिया। उसके विपरीत रांची का अहिंसक छात्र आंदोलन एक प्रतिमान रहेगा। इन दोनों आंदोलनों की गूंज छोटे–छोटे शहरों में भी दिखी, पर युवा समझते हैं कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने मात्र से उनकी मूल–समस्या का समाधान होने वाला नहीं। खोट व्यवस्था में है, अतः समाधान सत्ता परिवर्तन में नहीं, व्यवस्था परिवर्तन में है, पर व्यवस्था परिवर्तन होगा कैसे? कोई भी सरकार आए–जाए, लेकिन मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की भ्रष्टाचार में संलिप्तता, सरकारी कार्यालयों और पुलिस में खुलेआम रिश्वतखोरी, भाई–भतीजावाद और जातिवाद बेलगाम रहते हैं। जो पार्टी सत्ता में आती है, वह कोई ऐसा सिस्टम नहीं बनाती जिससे निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी निर्णय हो सके। सभी पार्टियां जनहित के मुखौटे ओढ़ स्वहित साधती हैं। छात्रों और युवाओं की घुटन और आक्रोश का मूल कारण यही है। देश ने युवाओं–छात्रों के अनेक आंदोलन देखे हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असहयोग आंदोलन(1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) या भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में युवाओं–छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लक्ष्य बड़ा था, लेकिन नेतृत्व गांधीजी के परिपक्व हाथों में था। लक्ष्य प्राप्त कर युवा बिखर गए, अपने भविष्य को संरक्षित करने, पढ़ने–लिखने में जुट गए। वे सत्ता और निर्णयन से दूर हो गए। दूसरा बड़ा छात्र/युवा आंदोलन समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नेतृत्व में महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन के विरुद्ध बिहार से 1974 में शुरू हुआ, जिसे संपूर्ण क्रांति कहा गया। यह कांग्रेस और इंदिरा गांधी के कुशासन, अधिनायकवाद और संविधान विरोधी गतिविधियों के विरुद्ध था, जिसे कुचलने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी, तमाम युवाओं की नसबंदी कर समाज में अभूतपूर्व डर का माहौल बना दिया। इस आंदोलन से चंद्रशेखर, कृष्णकांत, मोहन धारिया, रामधन आदि नेता निकले।

इस आंदोलन से 1977 में जनता पार्टी सरकार बनी जरूर, पर वैचारिक मतभेद के कारण एकजुट हुई राजनीतिक शक्तियों में बिखराव हो गया और युवा फिर अपनी पढ़ाई की ओर लौट गए। तीसरा युवा–छात्र जन–आंदोलन सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध 2011 में हुआ, जिसमें भ्रष्टाचार रोकने हेतु 'लोकपाल' की मांग की गई थी। यह आंदोलन भले ही दिल्ली में हुआ, पर इसने देश के युवाओं में एक अभूतपूर्व चेतना भर दी। दुर्भाग्य से अरविंद केजरीवाल आदि नेताओं ने अन्ना हजारे को किनारे कर आम आदमी पार्टी का गठन किया और दिल्ली में 10 वर्षों से अधिक तक सरकार चलाई, जिसने भ्रष्टाचार के नए–नए प्रतिमान बनाए। युवा फिर ठगे गए। इन तीनों आंदोलनों में नेतृत्व गांधी, जेपी और अन्ना हजारे के हाथों में था, जिनमें सक्रिय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी। काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का तथाकथित जेन–जी आंदोलन विदेश से अचानक प्रकट हुए अभिजीत दीपके द्वारा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चलाया गया। जेन–जी के नाम पर हुआ आंदोलन आंबेडकरजी के विचारों के खिलाफ था, जिन्होंने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था, श्अब हमें क्रांति के हिंसक तरीकों को तिलांजलि दे देना चाहिए। हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह जैसे असंवैधानिक तरीकों को भी त्याग देना चाहिए।...जब समस्याओं के समाधान हेतु संवैधानिक मार्ग उपलब्ध न थे, तब ऐसे असंवैधानिक तौर–तरीकों का औचित्य था, लेकिन जब संवैधानिक तरीके उपलब्ध हों, तो ऐसे असंवैधानिक तरीकों का कोई औचित्य नहीं।श आंबेडकर की सलाह के विरुद्ध विपक्ष ने राजनीतिक लाभ हेतु ऐसे ही आंदोलन का समर्थन किया। अनेक भोले–भाले छात्र–छात्राएं सीजेपी और विपक्ष के शिकार हुए।

पारित हो परिसीमन बिल

सरकार महिला आरक्षण हेतु विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही।
परिसीमन विधेयक महिलाओं को 33ः आरक्षण सुनिश्चित करेगा।
बढ़ती आबादी के लिए उचित संसदीय प्रतिनिधित्व आवश्यक है।

संसद के मानसून सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से इसके आसार बने हुए हैं कि सरकार महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन विधेयक को पारित करने के लिए फिर से एक विशेष सत्र बुला सकती है। इसके आसार इसलिए भी हैं, क्योंकि एक तो सरकार की ओर से इस संदर्भ में लगातार संकेत दिए जा रहे हैं और दूसरी ओर विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस परिसीमन विधेयक को दोबारा पारित कराए जाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रही है। कहना कठिन है कि आने वाले दिनों में ऐसा होगा या नहीं और सरकार परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए सितंबर में संसद का विशेष सत्र बुलाएगी या नहीं, लेकिन यदि राजनीतिक दल अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण पर अमल होते हुए देखना चाहते हैं तो उन्हें परिसीमन विधेयक पर सहमति बनानी ही होगी। यदि ऐसा नहीं हो पाता तो आधी आबादी से किया गया यह वादा झूठा ही साबित होगा कि महिलाओं को विधानमंडलों में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाएगा। महिला आरक्षण से संबंधित परिसीमन विधेयक को केवल इसलिए हरी झंडी नहीं दिखाई जानी चाहिए, क्योंकि इसके लिए संसद सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त कर चुकी है, बल्कि इसलिए भी ऐसा किया जाना चाहिए, क्योंकि बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए लोकसभा सदस्यों की ओर से लोगों का समुचित प्रतिनिधित्व करना भी आवश्यक है।

वर्तमान में लोकसभा सदस्य औसतन 22 लाख आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक अकेले संसद सदस्य का इतनी बड़ी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर पाना और उसके हितों की चिंता कर पाना बहुत कठिन है। ऐसे में यह आवश्यक है कि परिसीमन विधेयक को मंजूरी देकर महिला आरक्षण का रास्ता साफ किया जाए और लोगों को संसद में समुचित प्रतिनिधित्व भी दिया जाए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि पिछले लगभग 50 वर्षों से जनसंख्या में वृद्धि के बावजूद लोकसभा सीटों की संख्या यथावत है। इन सीटों की संख्या रोके रखना और मौजूदा 543 सीटों पर ही महिला आरक्षण लागू करने की मांग करना एक तरह से संवैधानिक आवश्यकता की जानबूझकर अनदेखी ही है।

सीएम योगी का विवविद्यालयों को संदेश

कैंपस तक सीमित न रहें, रिसर्च और इनोवेशन समाज तक पहुंचाएं



गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना समारोह में विश्वविद्यालयों को समाज और उद्योग से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रिसर्च और इनोवेशन का लाभ आम लोगों तक पहुंचना चाहिए और युवाओं को औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तैयार करना होगा। गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचम स्थापना समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालयों को समाज और उद्योग से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल अपने परिसर तक सीमित न रहें और न ही टापू बनकर काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों की लैब में होने वाली रिसर्च और इनोवेशन का लाभ कैंपस के बाहर भी दिखाई देना चाहिए। शोध और नवाचार समाज की समस्याओं के समाधान में मददगार बनें और इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने में उपयोग किए जाएं। इससे शिक्षा और शोध को व्यावहारिक दिशा मिल सकेगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा, इंडस्ट्री, यूनिवर्सिटी और एंटरप्राइज के बीच मजबूत समन्वय से अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है।

विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री देने वाले संस्थान के बजाय इनोवेशन के केंद्र के रूप में विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी शोध की वास्तविक उपयोगिता तभी है, जब उसका इस्तेमाल आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में हो। विश्वविद्यालयों को ऐसी शिक्षा और शोध व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप युवाओं को तैयार कर सके।

गोरखपुर में सीएम योगी का सख्त रुख

जनता दर्शन में बोले– भू–माफिया पर कसेंगे नकेल, हर पीड़ित को मिलेगा त्वरित न्याय

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 200 लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक वह खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की समस्या का पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरफ लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। इन लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ लोग पारिवारिक विवादों के मामले भी लेकर आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पारिवारिक विवादों में सबंधित पक्षों के बीच संवाद कराने की पहल की जाए।



मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़–पूड़ी खिलाया।

नेपाल त्रासदी के दर्द से कहराया गोरखपुर

नेपाल की तबाही ने गोरखपुर में रह रहे नेपाली परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। किसी को माता–पिता की फिक्र है तो कोई रिश्तेदारों की सलामती के लिए लगातार फोन कर रहा है

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर जिले में बसे नेपाली परिवारों के लिए नेपाल सिर्फ एक देश नहीं बल्कि उनकी जन्मभूमि है। उस सरजमीं से उनकी यादें जुड़ी हैं, उनके अनमोल रिश्तों का खजाना छिपा है। वहां की तबाही की तस्वीरें यहां रहने वालों की आंखों में भी आंसू ला रही हैं। किसी की नजर मोबाइल पर है तो कोई टीवी पर खबरें देख रहा है। कोई रिश्तेदार से बात कर रहा है तो कोई हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना कर रहा है। सबकी जुबान पर बस एक ही बात है।

हे भगवान, अब बस... कोई और बुरी खबर मत सुनाना।शहर में रहकर रोजी–रोटी कमाने वाले लोग अपने रिश्तेदारों की सलामती को लेकर दिन–रात चिंतित हैं। डर इस बात का है कि कहीं अगली फोन कॉल कोई ऐसी खबर न लेकर आए जिसे सुनने की हिम्मत भी न हो। नेपाल में रहने वाले अपने लोगों से लगातार फोन पर हाल–चाल लिया जा रहा है। वहां से आने वाली दहशत और तबाही की बातें सुनकर यहां बैठे परिजनों की आंखें नम हो जा रही हैं। लोगों का कहना है कि त्रासदी में कई घर–परिवार उजड़ गए। अब हर पल यही डर सता रहा है कि कहीं कोई और अनहोनी न हो जाए।



हर घंटे फोन, माता–पिता की सलामती की चिंता

हनुमंत नगर के पास रहने वाले श्याम प्रसाद शर्मा के परिवार की चिंता भी कुछ ऐसी ही है। उनकी पत्नी उर्मिला शर्मा का मायका नेपाल के नारायण घाट में है। नेपाल में उर्मिला की मां एम कला सूबेदी और पिता कृष्णा सूबेदी, भाई विश्वास शर्मा के साथ रहते हैं। उर्मिला ने बताया कि त्रासदी की खबर सुनकर दिल दहल गया। वह गोरखपुर में ब्यूटी पार्लर चलाती हैं लेकिन इन दिनों काम में बिल्कुल मन नहीं लग रहा। उन्होंने कहा कि मां–पिता और भाई नेपाल में हैं।

वे लोग घटनास्थल से दूर हैं फिर भी डर लगा रहता है। कभी–कभी हर आधे घंटे में फोन करके उनका हाल पूछती हूं। फोन उठने तक मन में तरह–तरह के ख्याल आते रहते हैं। उर्मिला के पति रेती चौक पर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के यहां काम करते हैं। वह भी बार–बार फोन करके मायके वालों का हाल पूछते हैं। उर्मिला ने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत की ओर से नेपाल को सहायता भी पहुंचाई जा रही है ऐसा सुनने में आ रहा है। उन्होंने इसे भारत सरकार और प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता बताते हुए कहा कि मुश्किल समय में भारत का साथ मिलना बड़ी बात है।

भाई, जल्दी गोरखपुर आ जाओ... तुम्हारी बहुत चिंता हो रही

मानस विहार कॉलोनी, जंगल शालिग्राम निवासी सूरज बहादुर करीब 50 वर्षों से पूरे परिवार के साथ गोरखपुर में रह रहे हैं। परिवार के पांच सदस्य यहां अलग–अलग काम कर अपनी रोजी–रोटी चलाते हैं। उनके भांजे दीपू भी उनके साथ रहते हैं जबकि दीपू के भाई तिल बहादुर भैरहवा में हैं। दीपू ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह भाई तिल बहादुर से फोन पर बात हुई।

वह त्रासदी वाले स्थान से काफी दूर हैं लेकिन वहां भी डर का माहौल है। दीपू ने कहा कि हम दिन में दो बार भाई से बात कर रहे हैं। टीवी और मोबाइल पर लगातार नजर है। सुबह भाई से कहा कि जल्दी से गोरखपुर आ जाओ, तुम्हारी बहुत चिंता हो रही है।

नेपाल में रहने वाले लोग परिचितों की ले रहे खोज–खबर

गोरखपुर। नेपाल में बुधवार को आई भीषण तबाही के बाद सबसे बड़ी चिंता अब अपनों की सलामती को लेकर है। सुरक्षित जगहों पर मौजूद लोग लगातार अपने परिचितों और रिश्तेदारों को फोन कर पूछ रहे हैं– तपाईं सुरक्षित हुनुहुन्छ (आप सुरक्षित हैं)। कई कॉलेजों में भी छात्र–छात्राओं और उनके परिजन की जानकारी जुटाई जा रही है। दूसरी ओर तबाही के वीडियो देखकर सुरक्षित इलाकों में रह रहे लोगों के बीच भी डर और बेचैनी है। बाढ़ में कई बस्तियों के बह जाने की सूचना है। हालांकि अभी मृतकों और प्रभावित लोगों की सही संख्या सामने नहीं आई है। इसी वजह से लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। जिन इलाकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, वहां रहने वाले परिचितों की खोज–खबर लेने के लिए लोग लगातार फोन कर रहे हैं।

काठमांडो स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग के डॉ. नरेंद्र सिंह थगुन्ना ने बताया कि मौजूदा त्रासदी वर्ष 2015 के भूकंप से भी बड़ी हो सकती है। बड़ी संख्या में लोग प्रभावित इलाकों में फंसे हैं और अभी नुकसान का सही आकलन नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि काठमांडो के आसपास हाईवे का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है। कुछ कॉलेज छात्र–छात्राओं और उनके परिवारों के भी प्रभावित इलाकों में फंसे होने की जानकारी है। राहत और बचाव दल लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं।

गोरखपुर मंडल में टला बाढ़ का खतरा

नेपाल में फंसे 6 में से 4 लोगों का पता चला, 6 शव बरामद

गोरखपुर,संवाददाता। नेपाल में बाढ़ के बाद गुरुवार को नारायणी का जलस्तर सामान्य रहा। गोरखपुर, महराजगंज और कुशीनगर में फिलहाल बाढ़ का खतरा नहीं है। जलस्तर में उतार–चढ़ाव और नेपाल की तबाही को देखते हुए प्रशासन अगले तीन–चार दिन अलर्ट रहेगा। नेपाल में फंसे गोरखपुर–बस्ती मंडल के छह लोगों में चार का पता चल चुका है। महराजगंज–कुशीनगर में छह अज्ञात शव भी बरामद हुए हैं। हनुमानगंज में विशालकाय मछली मिली। रसुवागढ़ी गलियारा ध्वस्त होने से भारत–नेपाल–तिब्बत व्यापार ठप है। सोनौली पर भंसार प्रक्रिया पूरी कर चुके आलू, प्याज, फल–सब्जियों के मालवाहक अरुण खोला में रुके हैं। कारोबारियों को माल खराब होने की चिंता है। राहत आयुक्त कार्यालय में दर्ज सूचनाओं के अनुसार गोरखपुर सदर के मुड़ेरी निवासी आशुतोष मणि उपाध्याय, चौरीचौरा के अभिषेक सिंह और सिद्धार्थनगर के विशाल पांडेय से परिवार का संपर्क हो गया है। महाराजगंज के राजकुमार गौतम लौट आए हैं।

सहजनवां के रामपुर घरथौली निवासी अजय सिंह और महराजगंज के करन शर्मा से संपर्क नहीं हो सका है। गुरुवार सुबह नारायणी नदी का डिस्चार्ज 63 हजार क्यूसेक था, जो दस बजे 88 हजार और दोपहर तक करीब 1.50 लाख क्यूसेक पहुंच गया। शाम छह बजे महराजगंज में जलस्तर 1.02 लाख क्यूसेक दर्ज हुआ।

एपी व नरवाजोत–अमवाखास बांध पर रातभर निगरानी रही। दोपहर तीन बजे अधीक्षण अभियंता ने बांध व स्परों का निरीक्षण किया। बाढ़ के पानी से अधिक चिंता सिल्ट की है। बुधवार शाम गंडक नहर प्रणाली बंद कर दी गई। गुरुवार को नेपाल से 13 क्यूबिक मीटर सिल्ट आ रही थी। मात्रा तीन क्यूबिक मीटर होने पर नहरें चलेंगी। नेपाल से गंडक के तेज बहाव में घरेलू सामान भारत पहुंच रहा है। कुशीनगर–महराजगंज में सिलेंडर, लकड़ी, स्टील पाइप और डिब्बे निकालने के लिए नदी किनारे भीड़ जुटी। सोनौली पर फंसे वाहनों के चलते कारोबार और महंगाई प्रभावित हो सकती है। काठमांडू, पोखरा, चितवन और नेपालगंज जा रहे भारतीय पर्यटक रास्ते से लौट रहे हैं।

यूपी में बड़ा हादसा–हाईवे पर कार ने स्कूटी सवार तीन छात्राओं को मारी टक्कर

कुशीनगर सड़क हादसे में दो छात्राओं की मौत



कुशीनगर,संवाददाता। तीनों छात्राएं एक ही स्कूटी पर सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वे माधोपुर बुजुर्ग कट के समीप पहुंचीं, एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि हादसे के तुरंत बाद कार का टायर भी फट गया।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार तीन छात्राओं को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरी छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह हृदय विदारक घटना तमकुहीराज थाना क्षेत्र के माधोपुर बुजुर्ग कट के पास घटी।

हादसे का विवरण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों छात्राएं एक ही स्कूटी पर सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वे माधोपुर बुजुर्ग कट के समीप पहुंचीं, एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि हादसे के तुरंत बाद कार का टायर भी फट गया।

मृतकों और घायल की पहचान

इस हादसे में जान गंवाने वाली दोनों छात्राएं पड़ोसी राज्य बिहार के गोपालगंज जिले की रहने वाली थीं। जिनकी पहचान अनामिका (22 वर्ष) निवासी सुकदेव पट्टी, थाना गोपालपुर (जिला गोपालगंज), निशा (21 वर्ष) निवासी एराजीपुर बोधाछापर, थाना गोपालपुर (जिला गोपालगंज) और इस हादसे में गंभीर रूप से घायल तीसरी छात्रा की पहचान आलीसा खातून (23 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कुशीनगर के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के छपरा अहिरौली की निवासी है।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों मृतक छात्राओं के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल आलीसा खातून को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका सघन उपचार चल रहा है। इस बीच, पटहेरवा थाना पुलिस ने दुर्घटना करने वाली कार को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। इस दर्दनाक घटना की खबर मिलते ही छात्राओं के परिवारों में कोहराम मच गया है।

45 मुकदमे, 75 हजार का इनाम

गोरखपुर में पुलिस के हत्थे चढ़ा गुड्डू दाढ़ी, 2004 से अपराध की दुनिया में सक्रिय



गोरखपुर,संवाददाता। पीपीगंज क्षेत्र में पुलिस ने 50 हजार रुपये के इनामी शातिर अपराधी गुड्डू दाढ़ी उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार किया है। सिद्धार्थनगर में भी उस पर 25 हजार रुपये का इनाम था। आरोपी पर हत्या, लूट, चोरी, एनडीपीएस और गैंगस्टर एक्ट समेत करीब 45 मुकदमे दर्ज हैं।

गोरखपुर जिले के पीपीगंज थाना क्षेत्र के भरोहिया निवासी शातिर अपराधी गुड्डू दाढ़ी उर्फ गुड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

करीब 45 वर्षीय गुड्डू पर गोरखपुर में 50 हजार और सिद्धार्थनगर में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। संतकबीरनगर की अदालत उसे मफरूर घोषित कर चुकी है। उसके खिलाफ गोरखपुर समेत आस पास के जिलों में करीब 45 मुकदमे दर्ज हैं। अन्य जिलों के मुकदमों का ब्योरा पुलिस जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार, गुड्डू के आपराधिक इतिहास में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के मामले शामिल हैं। पीपीगंज थाने में वर्ष 2004 से उसके खिलाफ लगातार मुकदमे दर्ज होते रहे हैं। इनमें वर्ष 2004 का हत्या, मारपीट और घर में घुसने से संबंधित मुकदमा, वर्ष 2005 में लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के मामले तथा वर्ष 2008 का हत्या, साक्ष्य मिटाने और अपहरण से संबंधित मुकदमा शामिल है।

इसके अलावा वर्ष 2009 में पीपीगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष 2016 में आर्म्स एक्ट और वर्ष 2023 में लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हुए। वर्ष 2023 के लूट के मामले में पुलिस ने आरोपपत्र 24 अप्रैल 2023 को न्यायालय भेजा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ गोरखपुर के अलावा अन्य जिलों में भी मुकदमे दर्ज हैं। उनका विवरण संकलित किया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम आनंद और पीपीगंज थाने की पुलिस टीम शामिल रही।

नदी में बहने से 34 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

नेपाल में अचानक बढ़ी नदी की रफ्तार, पत्थर पर बैठा सिद्धार्थनगर का युवक बहा

संवाददाता, इटवा। नेपाल में जलप्रलय के बीच एक दर्दनाक हादसे में इटवा निवासी 34 वर्षीय युवक पानी में बह गया। बाद में उसका शव बरामद हुआ। जवान की मौत से स्वजन पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा। पिता व अन्य लोग नेपाल के लिए रवाना हो गए हैं। नगर पंचायत इटवा निवासी प्रभात सोनी पुत्र अवधेश सोनी शुक्रवार को नेपाल गए थे।

बताया जाता है कि बुटवल में वह और स्वजन नदी के निकट पत्थर पर बैठे थे। अचानक पानी की धारा तेज और प्रभात सोनी को उसमें बहा ले गई। बताया जाता है कि सिर के पास पत्थर की चोट भी लगी। स्वजन घटना देख चीखना, चिल्लाना और शोर मचाना शुरू किए।

नेपाली प्रशासन को भी खबर हुई तो फिर खोजबीन शुरू हुई। शनिवार को दोपहर में उनका शव मिलने की खबर है। जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। इधर इटवा में पानी में बहने की खबर पर पिता अवधेश सोनी, घर वालों के साथ नेपाल के लिए रवाना हो गए। नगर पंचायत चेयरमैन विकास जायसवाल भी इसमें शामिल थे।

मां को लेकर गई राखी बंधवाने, वहीं बना नेपाल का प्रोग्राम

प्रभात सोनी रक्षाबंधन के दिन अपनी माता जी को लेकर ननिहाल गए थे।

मऊ–जिगिनिहवा जाने के बाद प्रभात सोनी, छोटा भाई शिवा सोनी, माता व और मामा के घर के कुछ लोगों के साथ सभी नेपाल चले गए। नदी के बीच बैठे ही थे कि अचानक पानी की धारा बढ़ी और उसी में प्रभात को बहा ले गई।

दो भाइयों में सबसे बड़े थे प्रभात

प्रभात सोनी दो भाइयों में सबसे बड़े थे। इनसे छोटा भाई शिवा सोनी था। प्रभात की शादी हो चुकी थी। पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। इसमें बड़ी लड़की चार वर्ष और छोटी लड़की डेढ़ वर्ष है। पानी में बहने और मौत की खबर पर उनके घर पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई।

बढ़ते एच–1एन–1 और सीजनल फ्लू के मामलों पर सरकार अलर्ट

डिप्टी सीएम ने की समीक्षा, बोले– घबराने की जरूरत

लखनऊ,संवाददाता। एच1एन1 और सीजनल फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार सतर्क हो गई है। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा कर अस्पतालों में दवाओं, जांच और इलाज की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की गई।

उत्तर प्रदेश में एच1एन1 और सीजनल फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेशभर के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) और मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों से फ्लू की स्थिति और तैयारियों की जानकारी ली गई। डिप्टी सीएम ने सभी सरकारी अस्पतालों में जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने एच1एन1 और सीजनल फ्लू की जांच व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच और उपचार सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने और स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बृजेश पाठक ने कहा कि फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने प्रदेशवासियों से सावधानी बरतने और फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों से कहा कि अस्पतालों में मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और आवश्यक संसाधनों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह तैयार रखा जाए।

ब्लाइंड स्कूल के बाथरूम में मिली 8वीं के छात्र की लाश

गोरखपुर,संवाददाता। लालडिग्गी के स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित कॉलेज में बुधवार सुबह छात्र अनूप कुमार (18) का शव बाथरूम में लटका मिला। पुलिस आत्महत्या की आशंका जताते हुए मोबाइल और सीसीटीवी फुटेज जांच रही है। यूपी के गोरखपुर जिले के लालडिग्गी स्थित स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बॉयज इंटर कॉलेज के बाथरूम में बुधवार सुबह आठवीं के छात्र अनूप कुमार (18) का शव गमछे के सहारे लटका मिला। देवरिया के रामगुलाम टोला निवासी अनूप आवासीय व्यवस्था में रहकर पढ़ाई करता था।

घटना की सूचना पर एसपी सिटी निमिष पाटील और एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें अनूप गमछा और बाल्टी लेकर अकेले बाथरूम की ओर जाता दिखाई दिया है। इससे पुलिस प्रथमदृष्टया आत्महत्या की आशंका जता रही है।

उप निदेशक दिव्यांग अनूप कुमार के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजे छात्र बाथरूम गया था। सुबह सफाईकर्मी विनोद ने काफी देर तक दरवाजा बंद देखा तो खटखटाया। अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो उसने स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। जानकारी मिलने पर राजघाट पुलिस पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। उसे खोलने पर छात्र कुंडी में गमछे के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया।

अनूप, रामआसरे का बेटा था और दोनों आंखों से दिव्यांग था। वह वर्ष 2019 से इसी स्कूल में आवासीय छात्र के रूप में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। पिता रामआसरे रिश्तेदारों के साथ स्कूल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों से भी जानकारी जुटाई तथा सीसीटीवी फुटेज देखी।

मोबाइल से खुलेगा मौत का राज

पुलिस ने छात्र का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। उसके कॉल डिटेल और मोबाइल में उपलब्ध अन्य जानकारियों की जांच की जा रही है। आत्महत्या की वजह जानने के लिए स्कूल के छात्रों और शिक्षकों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच रही है कि छात्र किसी तनाव या परेशानी में तो नहीं था।

चित्रकूट में मंदाकिनी का विकराल रूप

टिकरिया डोंडा बांध में रिसाव से हड़कंप

संवाददाता, चित्रकूट। मध्य प्रदेश के सीमावर्ती सतना और चित्रकूट में लगातार हो रही भारी बारिश और पहाड़ों से उतर रहे पानी ने शनिवार को हालात बिगाड़ दिए। मंदाकिनी, बरदहा और वाल्मीकि नदी के साथ नाले उफान पर हैं, जबकि यमुना का जलस्तर भी करीब एक मीटर बढ़ गया है। मारकुंडी क्षेत्र में टिकरिया डोंडा बांध लबालब भरने के बाद गेट के पास छेद होने से पानी बहने लगा। बांध टूटने की आशंका में डोंडा माफी, लल्लू का पुरवा, चौकी पुरवा और अहिरान की बस्तियां ग्रामीणों ने खाली कर दीं। परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने प्रयागराज से एनडीआरएफ टीम बुलाई है।

मंदाकिनी के लगातार बढ़ते जलस्तर ने कर्वी और चित्रकूट क्षेत्र में भी चिंता बढ़ा दी है। रामघाट पूरी तरह जलमग्न हो गया है। सीतापुर, पुरानी लंका, आरोग्यधाम और कर्वी नगर के तरौंहा की बस्तियों में पानी घुस गया है। राजस्व और पुलिस की टीमें प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटी हैं।

मंदाकिनी खतरे के निशान से 7.20 मीटर ऊपर

मंदाकिनी का जलस्तर शनिवार सुबह से लगातार तेजी से बढ़ रहा है। दोपहर 12 बजे तक नदी खतरे के निशान 126.500 मीटर से 7.20 मीटर ऊपर बह रही थी। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जलस्तर में हर 15 मिनट में करीब 40 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इससे नदी किनारे के निचले इलाकों में खतरा और बढ़ गया है।

चार बस्तियां खाली व रामघाट डूबा, चार मोहल्लों में घुसा पानी

टिकरिया डोंडा बांध में पानी भरने के बाद गेट के बगल में बने छेद से पानी निकलने लगा। ग्रामीणों को बांध टूटने की आशंका सताने लगी। एहतियातन आसपास की चार बस्तियों को खाली कराया गया। लोग जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए हैं।

आईटीआई प्रवेश–पहले दिन 80 अभ्यर्थी पहुंचे, अधूरे दस्तावेजों ने किया निराश

लखनऊ,संवाददाता। आईटीआई प्रवेश–2026 के प्रथम चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन करीब 80 अभ्यर्थी पहुंचे, लेकिन दस्तावेज अधूरे होने के कारण कई का प्रवेश नहीं हो सका।

अभ्यर्थियों को दस्तावेज पूरे करने का मौका दिया गया है और प्रथम चरण में चयनित अभ्यर्थियों को 4 सितंबर तक प्रवेश लेना अनिवार्य है। आईटीआई प्रवेश–2026 के प्रथम चरण में चयनित अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन करीब 80 अभ्यर्थी संस्थान पहुंचे लेकिन कई अभ्यर्थियों के दस्तावेज पूरे नहीं होने के कारण उनका प्रवेश नहीं हो सका।

ऐसे अभ्यर्थियों को दस्तावेज पूरे कराने के बाद प्रवेश दिया जाएगा। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से आगरा के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रथम चरण की मेरिट जारी कर दी गई है। मेरिट में चयनित अभ्यर्थियों को 4 सितंबर तक प्रवेश लेना होगा। चयनित अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट पर पंजीकरण संख्या और जन्मतिथि दर्ज कर अपना बुलावा पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बल्केश्वर के प्रधानाचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र के साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र, उनकी एक–एक प्रमाणित छायाप्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर संबंधित संस्थान में पहुंचना होगा।

40 हजार बनाम 50 हजार की तरफ चली सियासत

यूपी विधानसभा चुनाव–महिलाओं पर दांव, सपा और भाजपा ने किए ये प्रयोग



लखनऊ,संवाददाता। यूपी में चुनाव नजदीक आने के साथ महिला वोटरों पर दांव लगाना शुरू हो गया है। सपा और भाजपा दोनों पार्टियों ने इस पर दांव लगाना शुरू कर दिया है। विधानसभा चुनाव 2027 में अभी छह महीने से ज्यादा समय है लेकिन इसके लिए बिसात तेजी से सजने लगी है। इस बार महिला मतदाता मुकाबले का अहम केंद्र बनती दिख रही हैं। भाजपा पहले से ही महिला लाभार्थियों का बड़ा आधार तैयार कर चुकी है तो सपा सीधे आर्थिक मदद के वादे के साथ इसमें सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। साफ है कि 2027 का चुनाव महिलाओं के लिए योजनाओं व घोषणाओं की प्रतिस्पर्धा का चुनाव बन सकता है।



चुनाव नजदीक आते देख भाजपा सरकार ने अपने संकल्प पत्र में शामिल महिलाओं से जुड़े वादों को पूरा करो की रफ्तार बढ़ा दी है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए आजीवन मुफ्त बस यात्रा का एलान किया और बुधवार को इसे लागू कर दिया। हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का एलान किया है। नवंबर 2026 तक स्नातक की बेटियों के लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना लागू करने की घोषणा की है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव को पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे बढ़ाकर संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी आधी आबादी को पूरी तवज्जो दे रही है। सपा ने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं करना शुरू कर दिया है। बुधवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई घोषणाओं से साफ है कि सपा ने युवाओं व महिलाओं को चुनावी एजेंडे के केंद्र में रखना शुरू कर दिया है।

चुनावी जंग में दोनों दलों के लिए आधी आबादी इतनी अहम हो गई हैं कि भाजपा सरकार की ओर से जहां महिलाओं को 50 हजार रुपये देने की चर्चा शुरू हुई तो सपा ने सत्ता में आने पर महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने की घोषणा कर दी। इससे चुनावी मुकाबला 40 बनाम 50 हजार की लड़ाई में तब्दील हो सकता है। भाजपा के पास मौजूदा योजनाओं और लाभार्थी नेटवर्क का लाभ है। पार्टी महिला सुरक्षा, उज्ज्वला, आवास, शौचालय, बैंक खाते और प्रत्यक्ष लाभ जैसी योजनाओं के जरिये महिला मतदाताओं तक अपनी पहुंच का दावा करती है। अब भाजपा इनके साथ बड़ा प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ जोड़कर पुराने लाभार्थी आधार को मजबूत करने की कोशिश कर सकती है। सपा की चुनौती और अवसर अलग हैं। उसे अपने पारंपरिक पीडीए समीकरण के साथ महिलाओं को जोड़ना है।

निर्णायक शक्ति बन सकती है आधी आबादी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 की लड़ाई में असली मुकाबला 40 हजार और संभावित 50 हजार का नहीं, बल्कि भरोसे, लाभार्थी अनुभव और भविष्य की उम्मीद का होगा। भाजपा अपनी योजनाओं के जरिये कहेगी जो दिया, वह जमीन पर दिया। सपा का जवाब होगा.. जो नहीं मिला, वह हम देंगे। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश की आधी आबादी इस बार चुनावी गणित की निर्णायक शक्ति बन सकती है।

तेरी कोई औकात नहीं मेरे आगे, जूता साफ...

ग्रेनो की गालीबाज महिला, गाइर्स को कहा गरीब की औलाद

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा में ग्रेनो वेस्ट के सेंचुरियन पार्क टेरेस होम सोसायटी की एक महिला का गार्ड के साथ गाली–गलौज करते हुए वीडियो वायरल हुआ है। इस दौरान महिला सोसायटी के गार्ड को भद्दी–भद्दी गालियां दे रही है। साथ ही महिला ने गार्ड को हाथ–पैर भी मारे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सेंचुरियन पार्क टेरेस होम सोसाइटी में खाना डिलीवरी को लेकर महिला और सुरक्षा गार्ड के बीच विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करीब पांच मिनट के वीडियो में महिला गार्ड से जमकर गाली–गलौज करती नजर आ रही है। आरोप है कि महिला ने गार्ड को धमकाने के साथ ही उसके साथ हाथापाई की और पैर मारने की कोशिश भी की। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने नोएडा पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की।

भाजपा चाहती तो जेपीएनआईसी का काम पूरा हो सकता था: अखिलेश यादव

लखनऊ,संवाददाता। रक्षाबंधन कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने अखिलेश यादव को राखी बांधी। इसके बाद उन्होंने जेपीएनआईसी को निजी कंपनी को लीज पर देने के फैसले पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो अधूरी इमारत का काम पूरा हो सकता था। फैसले के विरोध की आशंका पर पुलिस तैनात रही। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लोहिया सभागार में सैकड़ों महिलाओं ने उन्हें राखी बांधी और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। अखिलेश यादव ने भी महिलाओं को शगुन का लिफाफा देकर पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने गोमतीनगर स्थित जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को निजी कंपनी को लीज पर देने के फैसले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा के रास्ते पर ही पार्टी आगे बढ़ती रहेगी।

बिल्डिंग का अधूरा काम पूरा कराया जा सकता था

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने अपने गठन के समय जयप्रकाश नारायण की तस्वीर लगाई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर भाजपा सरकार वास्तव में चाहती तो जेपीएनआईसी की बिल्डिंग का अधूरा काम पूरा कराया जा सकता था। यह इमारत जनता के पैसे से बनाई गई है और ठेकेदार को पूरा भुगतान भी किया जा चुका है। इसके बावजूद सेंटर का काम पूरा नहीं कराया गया।

गरीब महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे

अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने राष्ट्रीय महिला समानता दिवस के अवसर पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में स्त्री सम्मान–समृद्धि योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके तहत समाजवादी सरकार बनने पर आधी आबादी को पूरी आजादी मिलेगी। उनकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। गरीब महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। छात्राओं को इंटर पास होने के बाद लैपटॉप और साइकिल दी जाएगी। महिलाओं की सरकारी बसों में यात्रा मुफ्त होगी। छात्राओं को मेट्रो सफर मुफ्त होगा।

पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार में बंद किए सभी 26 हजार प्राइमरी स्कूल फिर खोले जाएंगे। सरकारी स्कूलों में फीस माफ और प्राइवेट में फीस हाफ होगी। न्यूट्रिशन मिशन योजना फिर शुरू की जाएगी। ऑगनबाड़ी केंद्रों को ठीक किया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि स्त्री सम्मान समृद्धि योजना आधी आबादी की पूरी आजादी का संकल्प है।

मौलाना की हत्या की साजिश के तीन आरोपी 24 घंटे में जमानत पर छूटे

लखनऊ,संवाददाता। मौलाना की हत्या की कथित साजिश में गिरफ्तार तीन आरोपी 24 घंटे के भीतर जमानत पर रिहा हो गए। बाहर आने पर समर्थकों ने माला पहनाकर स्वागत किया और काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा हुआ। पुलिस ने मामले में हत्या की सुपारी और संपत्ति विवाद से जुड़ी साजिश का आरोप लगाया है। मौलाना इरफान अहमद रिजवी की हत्या की साजिश के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपी 24 घंटे के भीतर जमानत पर जेल से बाहर आ गए। जेल से रिहा होने के बाद समर्थकों ने तीनों का माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद आरोपी तीन गाड़ियों के काफिले के साथ अपने घर पहुंचे और इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। वीडियो में फिल्मी अंदाज में गाना भी लगाया गया–'अब अपनी क्या तारीफ करूं ऊपर वाले से मैं डरूं।'

पुलिस के मुताबिक, आरोपी फरहान सिद्दीकी, सोहेल अहमद सिद्दीकी और अमन कुरैशी को **ACJM&3** कोर्ट से जमानत मिली है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि जमानत मंजूर करने से पहले केस डायरी या पुलिस रिपोर्ट नहीं मांगी गई। साथ ही पुलिस का पक्ष रखने के लिए नोटिस नहीं दिया गया और बेल बॉन्ड का सत्यापन भी नहीं हुआ। इस मामले में आरोपियों के तीन अन्य साथी अभी जेल में हैं। पुलिस के अनुसार मौलाना इरफान अहमद रिजवी की हत्या के लिए फरहान और सोहेल ने अमन कुरैशी के माध्यम से दो लाख रुपये में दो शूटर हायर किए थे।

यूपी स्टार्टअप मिशन पोर्टल का किया शुभारंभ

सीएम योगी बोले– 25 करोड़ की आबादी हमारी यंग फोर्स



लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी ने स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप्स को 3.42 करोड़ और 9 इनक्यूबेटर्स को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया साथ ही नए इनक्यूबेटर्स को मान्यता प्रमाण–पत्र, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन प्रमाण–पत्रों का भी वितरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली, ऊर्जावान युवा वर्कफोर्स यूपी में है। इन्हें प्लेटफॉर्म उलब्ध कराना सरकार का काम है। राजदूत, उच्चायुक्त समेत विदेशी प्रतिनिधिमंडल मुझसे पूछते हैं कि उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ से अधिक है, इसलिए आपके सामने बड़ी चुनौती है। मैं उनसे कहता हूं कि जितनी बड़ी चुनौती, उतनी ही बड़ी संभावना है। यूपी की जिस आबादी को लोग चुनौती कहते हैं, हम उसे डेमोग्रॉफिक डेविडेंड मानते हैं। इनके स्केल को स्किलिंग से जोड़कर इसका उपयोग डेमोग्रॉफिक डेविडेंड के रूप में कर पाते हैं।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप्स को 3.42 करोड़ रुपये से अधिक और 9 इनक्यूबेटर्स को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण करने के उपरांत युवा उद्यमियों व उद्योग प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया। इस दौरान लघु फिल्म के माध्यम से यूपी के स्टार्टअप इकोसिस्टम से अवगत कराया गया।

2014 से पहले देश में 500 स्टार्टअप्स, अब ढाई लाख से अधिक

सीएम योगी ने 2014 से पहले और इसके बाद भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम की चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत में व्यापक बदलाव दिख रहा है। 2014 के पहले देश में मात्र 500 स्टार्टअप्स थे, अब इनकी संख्या ढाई लाख से ऊपर है। स्टार्टअप इकोसिस्टम अब भारत के युवाओं के सपनों की उड़ान को गति दे रहा है। 2017 से पहले यही स्थिति उत्तर प्रदेश की भी थी। उस समय यहां कुल 120 स्टार्टअप थे, लेकिन डबल इंजन सरकार के प्रोत्साहन व सकारात्मक वातावरण के कारण आज इनकी संख्या 24 हजार से अधिक हो गई। इसमें 8 यूनिकॉर्न हैं। यूपी की स्टार्टअप पॉलिसी के अंतर्गत आज 107 स्टार्टअप व 9 इन्क्यूबेटर्स को प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है। यूपी स्टार्टअप नीति के तहत 12 नए इन्क्यूबेटर्स को भी मान्यता प्रदान कर रहे हैं।

2017 से रोजगार, इन्क्यूबेटर्स, शिक्षा, इनोवेशन की चर्चा एक सपना

सीएम ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' के कई स्टार्टअप्स का मैंने दौरा किया था। अपने कार्यों की बदौलत उन्होंने यूपी की पहचान और धारणा को बदलने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया। सीएम ने 2017 से पहले यूपी के प्रति नकारात्मक धारणा का जिक्र करते हुए यहां की अव्यवस्था को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बाहर जाने पर सांसद के रूप में मैंने भी महसूस किया कि लोग शक की निगाहों से देखते थे। धारणा यह थी कि जहां सड़कों में गड्ढे और बिजली के अभाव में अंधेरा दिखने लगे, समझो यूपी आ गया। उत्सव से पहले उपद्रव होता था। स्कूल–कॉलेज, बाजार महीनों बंद रहते थे। आमजन कर्फ्यू के साये में जीने को विवश था। उस समय 5 वर्ष में 700 से अधिक दंगे हुए। उन परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश के अंदर रोजगार, इन्क्यूबेटर्स, शिक्षा, इनोवेशन की चर्चा करना एक सपना ही था।

आधे स्टार्टअप का संचालन कर रही 'आधी आबादी'

सीएम ने कहा कि आधे स्टार्टअप का संचालन 'आधी आबादी' कर रही है। सरकार ने आईआईटी कानपुर, बीएचयू, ट्रिपल आईटी, एकेटीयू, आईआईएम से आए हर प्रस्ताव को प्रोत्साहित करने के लिए फंड व सहयोग उपलब्ध कराया। स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने के लिए 2019 में सरकार ने सिडबी के साथ फंड ऑफ फंड्स की व्यवस्था की थी। हालांकि बीच में कुछ गतिरोध आया था, लेकिन बाद में परिवर्तन कर इसे तेजी से बढ़ाया भी गया।



काठमांडू ,एजेंसी। तिब्बत में ग्लेशियर टूटने से आई तबाही में मृतकों का आंकड़ा 175 तक पहुंच गया है। वहीं नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग अभी भी लापता हैं। नेपाल में लापता लोगों में बड़ी संख्या विदेशी पर्यटकों की है। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

नेपाल में 826, चीन में 588 लोग लापता

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

नेपाल सरकार ने कहा कि विदेशी नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बुधवार देर शाम जारी एक बयान में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेपाल सेना के 44 जवान, विभिन्न पुलिस चौकियों पर तैनात नेपाल पुलिस के 28 जवान और आपदा ग्रस्त क्षेत्र में तैनात 13 सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों से संपर्क नहीं हो पाया है। वहीं नेपाल विदेश मंत्रालय ने 300 से ज्यादा भारतीयों के लापता होने की पुष्टि की है।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने जताया दुख

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने नेपाल के रसुवा इलाके और तिब्बत के कीरोंग में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर दुख जताया है। गुरुवार को उन्होंने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त की। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने एक बयान में कहा, नेपाल के रसुवा क्षेत्र और तिब्बत के कीरोंग में विनाशकारी बाढ़ के बारे में जानकर मुझे दुख हुआ है।

इस आपदा की वजह से कई लोगों ने जान गंवाई और भारी नुकसान हुआ। मैं उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, और शोक संतप्त और इस त्रासदी पीड़ित सभी लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। दलाई लामा ने कहा, श्मुझे उम्मीद है कि जहां भी संभव हो, उचित फॉलोअप उपाय किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी आपदाएं दोबारा न हों। तिब्बती क्षेत्र से होते हुए बाढ़ सीमा पार भोटेकोशी नदी पहुंच गई, और नेपाल में विनाश का निशान छोड़ गई।



दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका में प्रेमिका की हत्या कर भारत में छिपा सॉफ्टवेयर इंजीनियर आखिरकार आगरा से गिरफ्तार हो गया।

क्या है पूरा मामला?

आरोपी की पहचान अर्जुन शर्मा के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अमेरिका के मैरीलैंड में अपनी प्रेमिका निकिता गोड़ीशाला (27 साल) की चाकू मारकर हत्या कर दी और उसी दिन भारत भाग आया। हत्या के बाद उसने खुद ही अमेरिका में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी ताकि पुलिस को गुमराह कर सके। अमेरिकी पुलिस ने उसके खिलाफ छठें (नॉन बेलेबल वारंट) जारी किया था और इंटरपोल की मदद से तलाश शुरू की थी। इसी इनपुट पर हैदराबाद पुलिस पिछले कई दिनों से आगरा में डेरा डाले हुए थी। आज थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के शंकर ग्रीन अपार्टमेंट में छापा मारकर अर्जुन को दबोच लिया गया। बताया जा रहा है कि निकिता की हत्या के बाद अर्जुन उसके अकाउंट से 3500 डॉलर निकालकर भी लाया था। अब उसे जल्द ही अमेरिकी पुलिस को सौंपा जा सकता है और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू होगी। फिलहाल आगरा पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।



इश्क में तोड़ी मजहब की दीवार

बिहार की सोनम खातून ने किया धर्म परिवर्तन, बरेली में प्रेमी से रचाई शादी

बरेली,संवाददाता। बिहार के बेगूसराय की रहने वाली सोनम खातून ने इश्क की खातिर अपना धर्म परिवर्तन कर लिया। बरेली के एक आश्रम में अपने प्रेमी संजीव से शादी कर ली। बिहार के बेगूसराय जिले की सोनम खातून ने बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम में हिंदू धर्म अपना लिया। उन्होंने अपना नाम सोनम देवी रख लिया और बरेली के भोजीपुरा निवासी प्रेमी संजीव से शादी कर ली। दोनों की प्रेम कहानी इंस्टाग्राम के जरिए शुरू हुई थी। आश्रम में आचार्य केके शंखधार ने सोनम खातून की पहले वैदिक रीति से धर्म परिवर्तन कराया। सोनम ने बताया कि वह बेगूसराय के पचवीर की निवासी हैं। पांच वर्षों से हिंदू धर्म में उनकी आस्था है। राधा–कृष्ण को अपना आराध्य मानती रही हैं। उनके पिता का नाम अकबर और मां का नाम शहनाज खातून है। सोनम छह बहनें और एक भाई हैं, जिसमें वह तीसरे नंबर की हैं।



लखनऊ,संवाददाता। पिता करते हैं दूसरे के खेतों में मजदूरी, बेटी ने चार गोल्ड मेडल से रोशन किया परिवार का नाम। बीबीएयू के दीक्षांत समारोह में सीतापुर की प्रभा चंद्रा को मिला आरडी सोनकर अवॉर्ड। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के 29वें दीक्षांत समारोह में सीतापुर जिले की सिद्धौली तहसील के भेड़िया गांव निवासी प्रभा चंद्रा ने चार गोल्ड मेडल हासिल कर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। पिता किसान हैं और दूसरों के खेतों में मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं, बावजूद इसके बेटी ने पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी को गौरवान्वित किया।

प्रभा ने बताया कि आज से करीब दस साल पहले पढ़ाई के लिए उन्हें गांव छोड़ना पड़ा था। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि पढ़ाई आसान होती, लेकिन माता–पिता ने बच्चों की शिक्षा के लिए हर संभव त्याग किया। प्रभा ने अमेठी के सेटेलाइट सेंटर से डिप्लोमा किया, इसके बाद बीबीएयू से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 2024 में बीए में टॉप करने के बाद अब 2026 में एमए (इतिहास) में एससी वर्ग में सर्वोच्च स्थान हासिल कर उन्होंने चार गोल्ड मेडल जीते। प्रभा के साथ उनके भाई–बहन भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। एक भाई एमएससी कर रहा है, तो बहन ने भी एमएससी पूरी कर एमएससी में नौकरी की तैयारी में जुटी हैं। परिवार के पांचों भाई–बहनों ने मिलकर यह साबित किया है कि संसाधनों की कमी सपनों के आड़े नहीं आ सकती। दीक्षांत समारोह में प्रभा चंद्रा को उनकी उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आरडी सोनकर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। प्रभा ने अपनी इस सफलता का श्रेय माता–पिता के संघर्ष और त्याग को दिया।



प्रतापगढ़,संवाददाता।' पीएम किसान सम्मान निधि योजना में हुए एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें 3.15 अरब रुपये के गबन में शामिल 4.45 लाख लोगों के खिलाफ एक ही साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि यह अब तक की सबसे बड़ी एफआईआर में से एक हो सकती है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों को आरोपी बनाया गया हो। मामले का खुलासा भारत समाचार की खबर के बाद हुआ, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और जांच शुरू की गई।

कैसे हुआ खुलासा

जांच में सामने आया कि वर्ष 2019–2020 में योजना में सीधी एंट्री कर फर्जी अभिलेखों के जरिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण कराया गया था। जब कृषि विभाग ने किसानों से मूल अभिलेख मांगने शुरू किए, तब इस घपले का पता चला। कृषि निदेशालय दिल्ली, केंद्रीय सतर्कता आयोग और पुलिस तीनों स्तर की अलग–अलग जांच में यह साफ हुआ कि फर्जी तरीके से आवेदन करने वालों में प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशाम्बी, अमेठी और सुल्तानपुर समेत कई जिलों के लोग शामिल हैं। एसपी प्रतापगढ़ दीपक भूकर के अनुसार, उप कृषि निदेशक अश्विनी सिंह की तहरीर पर जांच में 1700 आईपी एड्रेस भी फर्जी पाए गए, जिसके आधार पर फर्जीवाड़े में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सबसे बड़ा सवालः पुलिस 4.45 लाख आरोपियों तक पहुंचेगी कैसे

एफआईआर दर्ज हो जाने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस साढ़े चार लाख से ज्यादा लोगों के खिलाफ कार्रवाई व्यावहारिक रूप से कैसे करेगी। इतनी बड़ी संख्या को एक साथ पकड़ पाना आसान काम नहीं है, और सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या यह घोटाला सिर्फ किसानों के स्तर तक सीमित है या इसमें सरकारी अधिकारियों और बैंकों की भी भूमिका है। तीन साल तक फर्जी अभिलेखों पर लगातार किस्तें जारी होती रहीं, बिना पड़ताल के इतनी बड़ी रकम बंटना सिस्टम मिलीभगत की ओर इशारा करता है।



श्वेता तिवारी ने सिखाया सबक

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर आवाज उठाई थी। जानिए क्या है पूरा मामला। श्वेता तिवारी ने बताया है कि इस मामले में डछै की नेता स्नेहल अडारकर और उनकी टीम ने उनकी मदद की और कथित तौर पर आपत्तिजनक कमेंट करने वाले शख्स को ढूंढकर उससे लिखित माफी भी ली।

● श्वेता ने शेयर किए थे आपत्तिजनक कमेंट के स्क्रीनशॉट

श्वेता तिवारी ने कुछ दिन पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ पोस्ट शेयर किए थे। इनमें उन्होंने बताया था कि कुछ लोग बिना किसी वजह महिलाओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और गाली–गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

● श्वेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट भी शेयर किए थे।

एक्ट्रेस ने यह सवाल भी उठाया था कि क्या ऐसे लोगों का यह व्यवहार उन लोगों के लिए स्वीकार्य है, जो खुद को राज ठाकरे का समर्थक बताते हैं।

● MNS की टीम ने शख्स को ढूंढ निकाला

श्वेता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में बताया कि इसके बाद डछै की स्नेहल अडारकर ने उनसे संपर्क किया। स्नेहल ने उन्हें साफ तौर पर कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के साथ इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं करती। श्वेता के मुताबिक, स्नेहल ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में शामिल लोग डछै के सदस्य नहीं थे। उन्होंने श्वेता से कहा कि टीम संबंधित लोगों को ढूंढने की कोशिश करेगी और उनसे कुछ दिन का समय मांगा। श्वेता ने बताया कि सिर्फ तीन दिन के अंदर उन्हें उस व्यक्ति का फोन नंबर और उसकी लिखित माफी मिल गई। डछै टीम के एक संदेश में बताया गया कि उन्होंने संबंधित शख्स को संभाजी नगर से मुंबई और फिर वसई तक ट्रेस किया और उससे लिखित माफी ली।

● श्वेता ने डछै टीम का जताया आभार

उन्होंने कहा कि उन्हें अच्छा लगा कि टीम ने उनकी शिकायत को गंभीरता से लिया और बिना उनके बार–बार कहने के मामले में कार्रवाई की। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि स्नेहल ने उन्हें भरोसा दिलाया कि अगर भविष्य में उन्हें ऐसी किसी परेशानी का सामना करना पड़े, तो वह उनसे संपर्क कर सकती हैं।

● समस्या सिर्फ एक–दो लोगों को पकड़ने से खत्म नहीं होगी

हालांकि, श्वेता ने इस पूरे मामले के साथ एक बड़ी चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि एक–दो लोगों को पकड़ लेने से समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी। उनके मुताबिक, असली समस्या उस सोच की है, जिसकी वजह से लोग सोशल मीडिया पर महिलाओं को गाली देने और उनका अपमान करने को सही समझते हैं। श्वेता ने लिखा कि ऑनलाइन महिलाओं के खिलाफ होने वाली बेझिझक और शर्मनाक गाली–गलौज अब हद से बाहर होती जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टेक्नोलॉजी कंपनियां और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस समस्या का कोई ठोस समाधान निकालेंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि आज वह उस कोशिश को स्वीकार करना चाहती हैं जो इस मामले में की गई। उन्होंने राज ठाकरे और स्नेहल अडारकर को धन्यवाद देते हुए कहा कि मामले को गंभीरता से लेने की कोशिश की गई, जिसकी वह सराहना करती हैं।



एंटरटेनमेंट डेस्क। रक्षाबंधन के विज्ञापन पर हुए विवाद के बाद शुक्रवार को कृति सेनन ने अपनी बहन के साथ राखी के त्योहार सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट कर अपनी खुशियां फैंस के साथ साझा कीं। कृति सेनन इन दिनों रक्षाबंधन के विज्ञापन पर मचे विवाद को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को रक्षाबंधन के खास मौके पर कृति ने अपनी बहन नुपुर सेनन के साथ एक तस्वीर साझा की। इसके साथ ही उन्होंने जो कैप्शन डाला उसने यूजर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा।

कृति ने कैप्शन में क्या लिखा?

इस विवाद के बीच अभिनेत्री ने बहन नुपूर सेनन के साथ त्योहार मनाया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर दो राखी बंधी कलाइयों की फोटो शेयर की। इनमें से एक कृति और दूसरा उनकी बहन नुपुर का हाथ है। इसके साथ कृति ने कैप्शन में लिखा, 'राखी फैशन कमेटी की बैठक अभी जारी है, लेकिन हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। आप सभी को राखी की हार्दिक शुभकामनाएं।

कंगना ने की थी विज्ञापन की आलोचना

बता दें कि बीते दिनों कृति का विज्ञापन सामने आने के बाद अभिनेत्री कंगना रनौत ने इसकी जमकर आलोचना की थी। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लिखा था, महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह–तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है। कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा–चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार–कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए?

कृति सेनन ने बीते दिनों एक ज्वैलरी कंपनी के लिए रक्षाबंधन पर खास विज्ञापन शूट किया।

इस वीडियो के सामने आने के बाद ही विवाद शुरू हुआ।

कृति सेनन के इस विज्ञापन में दिखाया गया कि वह रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं।

इसमें वह अपने भाई को राखी बांधने के साथ ही अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती हैं।

वहीं असल विवाद उस आउटफिट पर था जो कृति ने इस विज्ञापन में पहना। वो इसमें एक ब्रालेट पहने नजर आई।

वीडियो के वायरल होने के बाद कृति को खूब ट्रोल किया गया।

हालांकि, अब कंपनी ने यह विज्ञापन वीडियो सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है।

हाल ही में उन्होंने इस बारे में एक पोस्ट शेयर करके जानकारी दी थी कि किसी का दिल दुखाना उनके इस विज्ञापन का मकसद नहीं था।

रक्षाबंधन 2026–आम्रपाली दुबे से काजल राघवानी तक

एंटरटेनमेंट डेस्क। प्रोमो में आम्रपाली अपनी बहन की कलाई पर राखी बांधते हुए कहती हैं, श्हर जन्म में भगवान तुझे बहन के रूप में मुझे ही दें। इस दौरान एक्ट्रेस काफी इमोशनल हो गईं।

रक्षाबंधन पर गांव जाना नहीं भूलते खेसारी लाल

खेसारी लाल यादव ने बताया कि वे कैसे राखी मनाते हैं? उन्होंने कहा, इस त्योहार पर हम कहीं भी रहते हैं तो यहां गांव में जरूर आ जाते हैं। उनकी बहन राखी बांधती दिख रही हैं। सेलिब्रिटी रियलिटी शो भोजपुरी बवाल खूब सुर्खियां बटोर रहा है। आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी, दिनेश लाल यादव निरहुआ, रानी चटर्जी और पवन सिंह जैसे सेलेब्स यहां नजर आ रहे हैं। हाल ही में शो का नया प्रोमो जारी हुआ है। इसमें सितारे राखी का त्योहार सेलिब्रेट करते दिख रहे हैं।

जियो हॉटस्टार रियलिटी के इंस्टाग्राम अकाउंट से भोजपुरी बवाल का प्रोमो रिलीज किया गया है। इसमें आम्रपाली दुबे अपनी बहन को राखी बांध रही हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव अपनी बहन से राखी बंधवा रहे हैं। काजल राघवानी ने भी अपने भाई की कलाई राखी से सजाई है। प्रोमो के साथ कैप्शन लिखा है, राखी का मतलब–बहन–भाईयों का रीयूनियन।

टॉक्सिक को मिला रक्षाबंधन का फायदा



एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म टॉक्सिक की कमाई पहले के मुकाबले घटी है। हालांकि इसने तीन दिनों में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जानिए रक्षाबंधन के दिन इरुमुडी, हनुमान अंश और आवारापन 2 ने कितनी कमाई की है।

यश की फिल्म टॉक्सिक को रिलीज हुए तीन दिन हो गए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटा और इसकी कमाई 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हुई। दूसरे दिन इसके कलेक्शन में गिरावट आई। तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इस फिल्म ने अच्छी कमाई की मगर इसके कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली। जानिए इस फिल्म के साथ इरुमुडी और हनुमान अंश ने कितना कलेक्शन किया है।

टॉक्सिक का वर्ल्डवाइड कलेक्शन

भारत में यह फिल्म अभी अच्छी कमाई कर रही है। दुनियाभर में भी इस फिल्म ने बेहतरीन कलेक्शन किया है। भारत में फिल्म टॉक्सिक ने ग्रॉस 197.70 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं दूसरे दिन ओवरसीज इसने 23.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह से इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 221.45 करोड़ रुपये हो गया है।

साउथ की फिल्म 'इरुमुडी' 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने उम्मीद से ज्यादा अच्छा कलेक्शन किया है। फिल्म रिलीज के बाद से ही शानदार कलेक्शन कर रही है। इसमें रवि तेजा हैं।

सातवें दिन इसने 6.90 करोड़ रुपये कमाए थे।

आठवें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 9.70 करोड़ रुपये की कमाई की है।

इसी के साथ इसका टोटल कलेक्शन 101.85 करोड़ रुपये हो गया है।

रक्षाबंधन पर चमकी हनुमान अंश

फिल्म हनुमान अंश सात अगस्त को रिलीज हुई थी। 22 दिन गुजर जाने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। खास बात यह है कि इसकी कमाई पर नई रिलीज हुई फिल्म टॉक्सिक का असर भी नहीं पड़ा है। 22वें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसकी कमाई 6.50 करोड़ रुपये हुई। अब इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 18.38 करोड़ रुपये हो गया है।

यूएस ओपन 2026

एकल विजेताओं को मिलेंगे

52.66 करोड़ रुपये

इतिहास की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि



स्पोर्ट्स डेस्क

यूएस ओपन 2026 के सिंगल्स चैंपियन को रिकॉर्ड 55 लाख डॉलर (करीब 52.66 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी, जबकि टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 10.8 करोड़ डॉलर होगी। मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को भी 1.4 लाख डॉलर मिलेंगे और यूएसटीए ने खिलाड़ियों के लिए 20 लाख डॉलर के सपोर्ट प्रोग्राम की घोषणा की है। साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों पर पैसों की जमकर बारिश होने वाली है। टूर्नामेंट के पुरुष और महिला सिंगल्स चौंपियन को इस बार 55 लाख डॉलर (करीब 52.66 करोड़ रुपये) की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि मिलेगी। यह टेनिस इतिहास में किसी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चौंपियन को मिलने वाली सबसे बड़ी पुरस्कार राशि होगी। यूएस टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) ने गुरुवार को टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि का एलान किया। यूएस ओपन का मुख्य मुकाबला अगले सप्ताह से शुरू होगा।

पुरस्कार राशि लगातार बढ़ती जाएगी

चरण	पुरस्कार राशि
मुख्य ड्रॉ में जगह	1.40 लाख डॉलर
क्वार्टर फाइनल	7.80 लाख डॉलर
सेमीफाइनल	14.5 लाख डॉलर
रनर–अप	28 लाख डॉलर
चैंपियन	55 लाख डॉलर

मुख्य ड्रा में पहुंचते ही मिलेंगे 1.34 करोड़ रुपये

यूएस ओपन में 128 खिलाड़ियों वाले सिंगल्स मुख्य ड्रॉ में जगह बनाना भी इस बार बेहद फायदेमंद होगा। मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 1.4 लाख डॉलर (करीब 1.34 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

कुल पुरस्कार राशि 108 मिलियन डालर

यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों को कुल 10.8 करोड़ डॉलर (करीब 1,034 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि बांटी जाएगी। यह पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है, जबकि 2024 की तुलना में इसमें करीब 44 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछले साल यूएस ओपन के पुरुष और महिला सिंगल्स चौंपियन कार्लोस अल्कारेज और आर्यना सबालेंका को 50–50 लाख डॉलर मिले थे। 2025 में टूर्नामेंट की कुल खिलाड़ी पुरस्कार राशि 9 करोड़ डॉलर थी।

डबल्स विजेताओं को मिलेंगे 10 लाख डालर

- पुरुष डबल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स की विजेता टीम को 10 लाख डालर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं रनर–अप टीम को 5 लाख डालर मिलेंगे। व्हीलचेयर सिंगल्स के चौंपियन खिलाड़ियों के लिए भी पुरस्कार राशि बढ़ाई गई है। उन्हें 1.04 लाख डालर मिलेंगे।

2 मिलियन डालर का सपोर्ट प्रोग्राम

- यूएसटीए ने खिलाड़ियों के लिए एक नए प्लेयर सपोर्ट प्रोग्राम की भी घोषणा की है। इसके तहत शुरुआत में 20 लाख डालर की राशि तय की गई है। यह रकम पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच बराबर बांटी जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों को अतिरिक्त सुविधाएं और लाभ देना है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

कौन बनेगा आईपीएल का नया चेयरमैन

स्पोर्ट्स डेस्क। मुंबई में होने वाली बीसीसीआई एजीएम में आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दो पदों पर चुनाव होगा, जिसमें चेयरमैन का पद भी शामिल है। इसके अलावा अंडमान–निकोबार को एसोसिएट सदस्यता देने, आईसीए प्रतिनिधि की नियुक्ति और बीसीसीआई ओम्बड्समैन–एथिक्स ऑफिसर पर भी अहम फैसले होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 18 सितंबर 2026 को मुंबई में आयोजित होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। बोर्ड ने एजीएम की जानकारी अपनी सभी 38 राज्य इकाइयों को भी दे दी है।

अंडमान–निकोबार को मिल सकती है एसोसिएट सदस्यता

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की क्रिकेट एसोसिएशन को एजीएम की एसोसिएट सदस्यता देने का प्रस्ताव भी शामिल है। बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल की जून में हुई बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी। एसोसिएट सदस्य को बीसीसीआई में मतदान का अधिकार नहीं होता। एजीएम में इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दो पदों पर चुनाव

एजीएम के दौरान आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दो निर्वाचित पदों के लिए चुनाव भी होगा। इनमें गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन का पद भी शामिल है। फिलहाल अरुण धूमल आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन हैं। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. ज्योति ने मंगलवार को चुनाव संबंधी नोटिस जारी कर दिया। नोटिस में बीसीसीआई के पूर्ण सदस्यों से अपने प्रतिनिधियों के नाम चुनावी सूची में शामिल कराने के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

बुमराह का दबदबा हुआ खत्म

पंत–कमिंस और लियोन ने भी लगाई छलांग



स्पोर्ट्स डेस्क। आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पहली बार नंबर–1 स्थान हासिल करते हुए जसप्रीत बुमराह को दूसरे पायदान पर धकेल दिया। बांग्लादेश के खिलाफ 10 विकेट के प्रदर्शन का स्टार्क को बड़ा फायदा मिला। वहीं ऋषभ पंत छह पायदान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजी में संयुक्त सातवें स्थान पर पहुंच गए।

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पहली बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर–एक स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को शीर्ष स्थान से हटा दिया। वहीं, भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने छह पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल कर लिया है।

15 साल के करियर में पहली बार नंबर–1 बने स्टार्क

मिचेल स्टार्क के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपने 15 साल लंबे टेस्ट करियर में पहली बार आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

बांग्लादेश के खिलाफ मैके में खेले गए दूसरे टेस्ट में स्टार्क ने 10 विकेट चटकाए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबले में दबदबा बनाया।

इस प्रदर्शन ने स्टार्क को रैंकिंग में दो पायदान ऊपर पहुंचाया और उन्होंने बुमराह तथा न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को पीछे छोड़ दिया। स्टार्क लंबे समय से दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल रहे हैं।

वह पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टॉप–3 में भी पहुंचे थे, लेकिन नंबर–1 की कुर्सी उनसे दूर रही थी। अब बांग्लादेश के खिलाफ दमदार प्रदर्शन ने उन्हें पहली बार यह मुकाम दिला दिया।

बुमराह का दो साल से ज्यादा का दबदबा खत्म

जसप्रीत बुमराह ने फरवरी 2024 में पहली बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर–एक स्थान हासिल किया था। इसके बाद वह करीब ढाई साल तक इस स्थान के आसपास अपना दबदबा बनाए रखने में सफल रहे। वह लगातार दो नंबर–एक नहीं रहे, लेकिन नंबर–दो पर बने रहे। बुमराह ने फरवरी 2024 के बाद करीब 697 नंबर–एक स्थान पर रहते हुए बिताए। इस बार भी श्रीलंका के खिलाफ भारत की विश्व टेस्ट चौंपियनशिप सीरीज में बुमराह टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी और स्टार्क के शानदार प्रदर्शन ने रैंकिंग में बदलाव का रास्ता साफ किया। बुमराह अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि मैट हेनरी भी एक स्थान नीचे जाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

पैट कमिंस और नाथन लियोन को भी फायदा

ऑस्ट्रेलिया के दूसरे गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। कप्तान पैट कमिंस बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने दो स्थान की छलांग लगाई है और अब वह 10वें नंबर पर हैं। इस तरह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप–10 में ऑस्ट्रेलिया के तीन गेंदबाज शामिल हो गए हैं।



कोलंबो,एजेंसी । श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुषा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार शतक जड़कर इतिहास रच दिया। भारत के खिलाफ अपनी पहली तीन टेस्ट पारियों में 100, 84 और 103 रन बनाने वाले दिनुषा ऐसा करने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के कई दिग्गजों की बराबरी की और स्पिन के खिलाफ अपनी खास स्वीप बल्लेबाजी से भी नया रिकॉर्ड बनाया। श्रीलंका के सोनल दिनुषा ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जो बल्लेबाजी की है, उसने उन्हें अचानक क्रिकेट की दुनिया में चर्चा का बड़ा नाम बना दिया है। दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने शानदार शतक जड़कर न सिर्फ श्रीलंका को फॉलोऑन से उबारने की कोशिश की, बल्कि अपने नाम कई बड़े रिकॉर्ड भी कर लिए।

सोनल दिनुषा की पारियां

भारत के खिलाफ अपनी पहली तीन टेस्ट पारियों में दिनुषा ने 100, 84 और 103 रन बनाए हैं। यानी तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक। खास बात यह है कि तीनों पारियों में उन्होंने 80 से ज्यादा रन बनाए हैं और उनकी बल्लेबाजी में जिस तरह का नियंत्रण दिखाई दिया, वह उनके छोटे से टेस्ट करियर के लिए बेहद खास है। उनकी मौजूदा पारी इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि वह श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने से बचाने के लिए अकेले जूझते दिखे। ऐसे मुश्किल हालात में दिनुषा ने जिम्मेदारी संभाली और भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ शानदार धैर्य दिखाया।

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

दिनुषा अब श्रीलंका के उन चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाए हैं। इस सूची में अरविंदा डी सिल्वा, कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या, महेला जयवर्धने और एंजेलो मैथ्यूज जैसे दिग्गज शामिल हैं। दिनुषा के लिए यह उपलब्धि इसलिए और बड़ी है क्योंकि उनका टेस्ट करियर अभी शुरुआती दौर में ही है।